CBSE Class 7 Social Science Important Questions History Chapter 4 – मुग़ल: सोलहवीं से सत्रहवीं शताब्दी

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
आज भारत के प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर मुगल शासकों के किस निवास स्थान की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हैं?
उत्तर:
दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से।

प्रश्न 2.
चंगेज खान कहाँ का शासक था?
उत्तर:
चंगेज खान चीन और मध्य एशिया के कुछ भागों का शासक था।

प्रश्न 3.
तैमूर ने दिल्ली पर किस सन् में अधिकार कर लिया था?
उत्तर:
तैमूर ने 1398 ई. में दिल्ली पर अधिकार कर लिया था।

प्रश्न 4.
अकबर का राजस्व मंत्री कौन था?
उत्तर:
राजा टोडरमल अकबर का राजस्व मंत्री था।

प्रश्न 5.
अकबरनामा किसने लिखा?
उत्तर:
अबुल फजल ने 'अकबरनामा' लिखा।

प्रश्न 6.
'अकबरनामा' के अन्तिम (तीसरी) जिल्द का नाम क्या है?
उत्तर:
अकबरनामा की तीसरी (अंतिम) जिल्द का नाम 'आइने-अकबरी' है।

प्रश्न 7.
सुलह-ए-कुल पंथ की स्थापना किस मुगल सम्राट ने की?
उत्तर:
अकबर ने सुलह-ए-कुल पंथ की स्थापना की थी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 8.
मुगल साम्राज्य की राजभाषा क्या थी?
उत्तर:
मुगल साम्राज्य की राजभाषा फारसी थी।

प्रश्न 9.
मुगल उत्तराधिकार की कौनसी प्रथा अपनाते थे?
उत्तर:
मुगल उत्तराधिकार की 'सहदायाद' प्रथा अपनाते थे जिसमें उत्तराधिकार का विभाजन समस्त पुत्रों में कर दिया जाता था।

प्रश्न 10.
अकबर की अधीनता को किस राजपूत राजा ने स्वीकार नहीं किया?
उत्तर:
मेवाड़ के महाराणा प्रताप ने अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया।

प्रश्न 11.
अकबर ने 'सुलह-ए-कुल' की नीति को किस शहर में विचार-विमर्श कर निर्धारित किया?
उत्तर:
फतेहपुर सीकरी में।

प्रश्न 12.
नूरजहाँ कौन थी?
उत्तर:
नूरजहाँ मुगल बादशाह जहाँगीर की पत्नी थी, जिसका पूर्व नाम मेहरुन्निसा था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
मुगल कौन थे?
उत्तर:
मुगल दो महान शासक वंशों के वंशज थे। माता की ओर से वे मंगोल शासक चंगेज खान, जो चीन और मध्य एशिया के कुछ भागों पर राज करता था, के उत्तराधिकारी थे। पिता की ओर से वे ईरान, इराक एवं वर्तमान तुर्की के शासक तैमूर के वंशज थे।

प्रश्न 2.
मुगल सम्राट बाबर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
प्रथम मुगल शासक बाबर ने 12 वर्ष की उम्र में 1494 ई. में फरगाना राज्य का उत्तराधिकार प्राप्त किया। लेकिन मंगोलों की दूसरी शाखा, उजबेकों के आक्रमण के कारण उसे अपनी पैतृक गद्दी छोड़नी पड़ी। लेकिन कुछ वर्षों बाद उसने 1504 ई. में काबुल पर कब्जा कर लिया। उसने सन् 1526 ई. में पानीपत के

https://www.evidyarthi.in/

मैदान में इब्राहिम लोदी एवं उसके अफगान समर्थकों को हराया; सन् 1528 ई. में खानुवा में राणा सांगा, राजपूत राजाओं और उनके समर्थकों को हराया तथा सन् 1528 ई. में ही चंदेरी में राजपूतों को हराया तथा दिल्ली और आगरा में मुगल नियंत्रण स्थापित किया।

प्रश्न 3.
मुगलों के अन्य शासकों के साथ सम्बन्धों का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
मुगलों के अन्य शासकों के साथ सम्बन्ध

- मुगलों ने उन शासकों के विरुद्ध लगातार अभियान किए, जिन्होंने उनकी सत्ता को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया।
- जंब मुगल शक्तिशाली हो गए तो अन्य कई शासकों ने स्वेच्छा से उनकी सत्ता स्वीकार कर ली। जैसे-राजपूत शासक।
- मेवाड़ के सिसोदिया राजपूत लम्बे समय तक मुगलसत्ता को स्वीकार करने से इन्कार करते रहे, लेकिन जब वे हारे तो मुगलों ने उनके साथ सम्माननीय व्यवहार किया। लेकिन औरंगजेब के काल में ऐसे शासकों के साथ मुगलों ने अपमान का व्यवहार किया, जैसे-शिवाजी के साथ।

प्रश्न 4.
भू-राजस्व निर्धारण में टोडरमल के कार्यों का विवरण दीजिए।
उत्तर:
भू-राजस्व निर्धारण में टोडरमल के कार्य-

- अकबर के राजस्व मंत्री टोडरमल ने दस साल (1570-1580) की कालावधि के लिए कृषि की पैदावार, कीमतों और कृषि भूमि का सावधानीपूर्वक सर्वेक्षण किया।
- इन आँकड़ों के आधार पर, प्रत्येक फसल पर नकद के रूप में कर (राजस्व) निश्चित कर दिया गया।
- प्रत्येक सूबे (प्रांत) को राजस्व मंडलों में बाँटा गया और प्रत्येक की हर फसल के लिए राजस्व दर की अलग सूची बनायी गयी। राजस्व प्राप्त करने की इस व्यवस्था को 'जब्त' कहा जाता था।
- 'जब्त' की व्यवस्था उन स्थानों पर प्रचलित थी जहाँ पर मुगल प्रशासनिक अधिकारी भूमि का निरीक्षण कर सकते थे और सावधानीपूर्वक हिसाब रख सकते थे।

प्रश्न 5.
अबुल फजल के 'अकबरनामा' में किन-किन बातों का विवरण दिया गया है?
उत्तर:
अबुल फजल के 'अकबरनामा' में निम्न बातों का विवरण दिया गया है-

- इसमें अकबर के पूर्वजों का बयान है।
- इसमें अकबर के शासनकाल की घटनाओं का विवरण है।
- इसमें अकबर के प्रशासन, घराने, सेना, राजस्व और साम्राज्य के भूगोल का ब्यौरा मिलता है। इसमें समकालीन भारत के लोगों की परंपराओं और संस्कृतियों का भी विस्तृत वर्णन है।

प्रश्न 6.
अकबर के प्रशासन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

अकबर का प्रशासन-

- अकबर का साम्राज्य कई प्रान्तों (सूबों) में बंटा हुआ था।
- सूबों के प्रशासक सूबेदार कहलाते थे, जो राजनैतिक तथा सैनिक, दोनों प्रकार के कार्यों का निर्वाह करते थे।
- प्रत्येक प्रांत में एक वित्तीय अधिकारी होता था जो 'दीवान' कहलाता था।
- कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सूबेदार को अन्य अफसरों जैसे-बक्शी, सदर, फौजदार और कोतवाल आदि का सहयोग प्राप्त था।
- अकबर के अभिजात, बड़ी सेनाओं का संचालन करते थे और बड़ी मात्रा में राजस्व खर्च कर सकते थे।

प्रश्न 7.
अकबर की 'सुलह-ए-कुल' की नीति क्या थी?
उत्तर:
अकबर की 'सुलह-ए-कुल' की नीति-अकबर की 'सुलह-ए-कुल' की नीति धार्मिक सहिष्णुता की नीति थी। यह नीति विभिन्न धर्मों के अनुयायियों में अन्तर नहीं करती थी अपितु इसका केन्द्र बिन्दु था-नीतिशास्त्र की एक व्यवस्था, जो सर्वत्र लागू की जा सकती थी और जिसमें केवल सच्चाई, न्याय और शांति पर बल था।

evidyarthi